किया जा रहा है और उसकी देखभाल के लिये क्या प्रबन्ध किये गये हैं;

(ख) उक्त हवाई अड्डा कितने क्षेत्र में बना हुआ है; और

(ग) हवाई अड्डे की भूमि अन्य लोगों को किन शर्तों पर तथा किस प्रयोजन के लिये दी गई है ?

प्रतिरक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ब० रा० भगत) :(क) से (ग) .पृथ्वीगंज (प्रतापगढ़) का हवाई अड्डा 375.10 एकड़ भूमि पर सम्मिलित है। इसे अगस्त 1946 से प्रयोग में नहीं लाया जा रहा। रनवेज, हार्डस्टैंडिंग्स टैक्सी क्स इत्यादी पर सम्मिलित 146.10 एकड़ भूमि देख भाल के उद्देश्यों से उत्तर प्रदेश सरकार को अंतरित की गई थी। शेष 229 एकड़ कृषि उद्देश्यों से लाइसेंस पर देने के लिए प्रतापगढ़ के कालेक्टर के प्रबन्ध में दे दिया गया था। इसमें से 187.87 एकड़ प्रतापगढ़ के कालेक्टर द्वारा कृषि कार्य के लिए लाइसेंस पर दे दिया गया और 19.37 एकड़ वाटिकाओं के लिए। शेष 21.76 एकड़ क्षेत्र अनधिकृत कब्जे में है, और अतिक्रमण को दूर करने के लिए उपाय किए जा रहे हैं। लाइसेंस की मख्य शर्तें यह हैं :—

(1) ग्रांट निरस्त कर देने योग्य है अगर यह सर्वथा अपर्याप्त सिद्ध हो, या गर्ल्ती से गलत तरीके से या धोके से प्राप्त की गई हो।

(2) पाने वाला ग्रांट में सुरक्षित राशि वर्ष सरकार को पेशगी देगा, अन्यथा उस पर 12 प्रतिशत प्रति वर्ष व्याज देय होगा।

(3) पाने वाला न तो भूमि को किसी अन्य उद्देश्य के लिए सिवाय उस के कि जिस केलिए उसे वह दी गई है, इस्तेमाल करेगा, न ही किसी और को करने देगा।

(4) पाने वाला संबंधित अधिकरण की लिखित पूर्व अनुमति के बिना उस भूमि पर स्थायी या अस्थायी रूप से न तो कोई भवन, बाढ़ खड़ी करेगा न अन्य निर्माण।

(5) उस भूमि में खड़े किसी वृक्ष पर न तो पाने वाले को कोई अधिकार होगा न उसके उपभोग का।

(6) पाने वाले को अनुपाती किराये की वसूली के साथ बेदखल किया जा सकता है, जो केवल उस तिथि तक होगा जब ग्रांट समाप्त हो।

अणु शक्ति परियोजना, कोटा

3620. **श्री ब्रह्मानन्दजी :**
श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या **प्रधान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राजस्थान अणुशक्ति परियोजना, कोटा में परमाणु भट्टी लगाने वाली फर्म ने पाकिस्तान में भी ऐसे ठेके लिये हैं;

(ख) यदि हां, तो भारत तथा पाकिस्तान की उन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है, जिन में इस फर्म ने ठेके लिये हैं; और

(ग) इस मामले में केन्द्रीय जांच विभाग द्वारा जो जांच की जा रही है, उस में कितनी प्रगति हुई है ?

प्रधान मंत्री तथा अणु शक्ति मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : (क) सरकार को इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) माननीय सदस्य का संकेत सम्भवतः हाल में हुए अग्निकांड की जांच की ओर है। खुफिया ब्यूरो का एक अधिकारी सुरक्षा प्रबन्धों की पर्याप्तता का अध्ययन करने के उद्देश्य से हाल ही में प्रायोजना स्थल पर गया था। आशा है कि आग के कारणों की जांच करने के लिये जो कमेटी परमाणु उर्जा विभाग द्वारा नियुक्त की गई थी वह थोड़े ही समय में अपनी रिपोर्ट दे देगी।

Review of India's Defence in view of Chinese Nuclear Explosions

3621. Shri D. C. Sharma: Will the Minister of **Defence** be pleased to state:

(a) whether the three Service Chiefs were asked to review India's defence set-up following the nuclear explosions by China;

(b) if so, their recommendations and the steps taken to implement them;

(c) whether they have been asked again to review the position, in view of China's preparedness to test Intercontinental Ballistic Missiles; and

(d) if so, the views of these Service Chiefs?

The Minister of Defence (Shri Swaran Singh): (a) to (d). The Chiefs of Staff Committee were asked to make an evaluation of the first nuclear explosion by China in October, 1964. Thereafter the matter has been under review in the context of further nuclear explosions by China. It would, however, not be in the public interest to disclose either the recommendations made by the Chiefs of Staff or the action taken thereon by the Government.

Cheap T.V. Sets

3623. Shri Yajna Datt Sharma: Will the Minister of **Defence** be pleased to state:

(a) whether any plan has been chalked out to provide T.V. sets to the public at reasonable prices; and

(b) the lowest prices for the sets proposed to be provided to the public?

The Minister of State in the Ministry of Defence (Shri B. R. Bhagat): (a) and (b). Two firms have been licensed for manufacture of 10,000 television receiver sets each, per year, with indigenous **knowhow** developed by CEERI, Pilani. CEERI, Pilani who are undertaking a trial production of 1,000 sets have indicated that the price for the 23" screen set is likely to be Rs. 1,500 and for the 19" screen set Rs. 1,350.

Commonwealth Prime Ministers' Conference

3624. Shri D. C. Sharma: Will the Minister of **External Affairs** be pleased to state:

(a) whether the date and venue of the Commonwealth Prime Ministers' Conference this year, has been fixed; and

(b) whether any discussion on the probable agenda has taken place?

The Minister of Defence (Shri Swaran Singh): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Aid to Nepal

3625. Shri D. C. Sharma: Will the Minister of **External Affairs** be pleased to state:

(a) the amount of aid proposed to be given to Nepal during the Fourth Five Year Plan;

(b) the names of the projects that have been completed with Indian assistance so far; and

(c) the projects that are underway at present?

The Minister of Defence (Shri Swaran Singh): (a) About Rs. 40 crores.

(b) and (c). The information is being collected. The number of projects completed up to the end of March 1966 was communicated in reply to Lok Sabha Unstarred Question No. 1991 on 21st November, 1966.